



भारतीय कैलेंडर के अनुसार उत्तरायण के त्यौहार, जैसे— मकर संक्रांति, पोंगल, बिहू और लोहड़ी सब सर्दी से गर्मी के मौसम के बदलने की शुरुआत होते हैं। ये उत्सव गर्मियों के दिनों की वापसी एवं फसल की कटाई शुरू होने का संकेत देते हैं। शिक्षक बच्चों से उनके आस-पास मनाये जाने वाले त्यौहारों के विषय में बातचीत करें। चित्र में प्रत्येक उत्सव के विभिन्न तत्वों, वस्तुओं, सजावट एवं नृत्य करते हुए लोगों इत्यादि पर बनी विविध आकृतियों एवं पैटर्नों पर बच्चों से बातचीत की जा सकती है।





पैटर्न को आगे बढ़ाइए।

क.



ख.



ग.



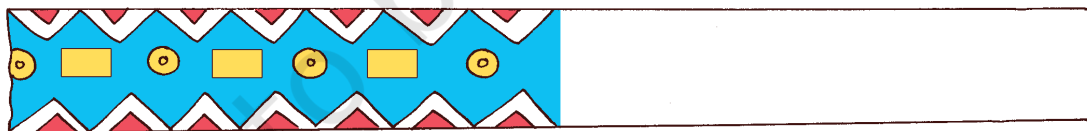
घ.



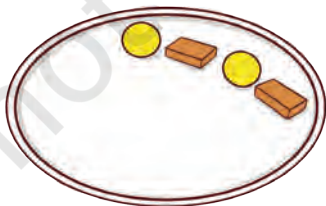
ङ.



च.



छ.



ज.




बच्चों को ठोस वस्तुओं से पैटर्न बनाने के लिए प्रोत्साहित करें।

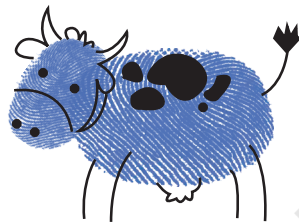
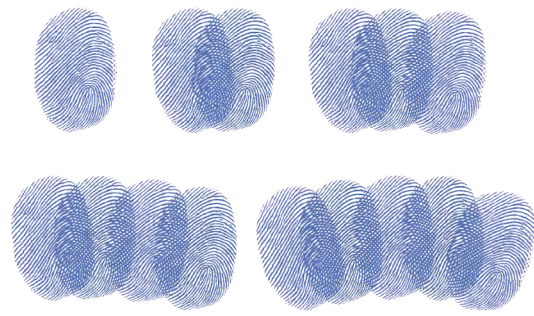


100



आओ करें

मुन्ना  को रंग भरना बहुत पसंद है।
उसने अँगूठे एवं उँगलियों की छाप से कुछ
चित्र बनाए हैं। आप भी नीचे दी गई खाली
जगह में अँगूठे एवं उँगलियों की छाप से कुछ
चित्र बनाइए।

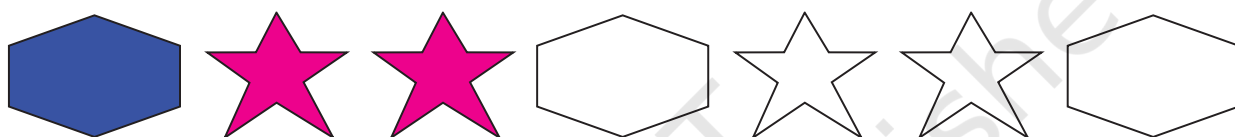
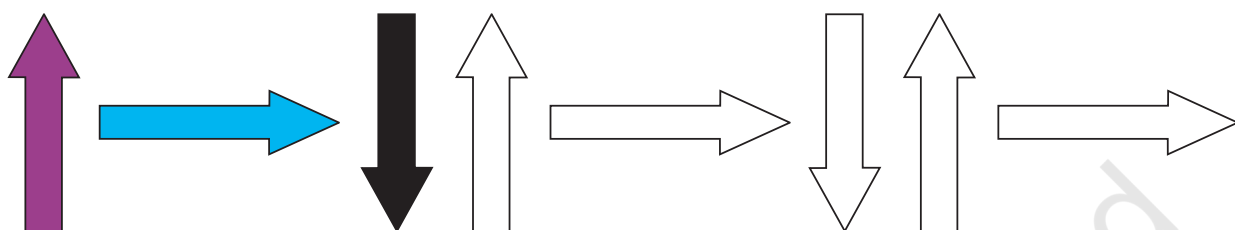
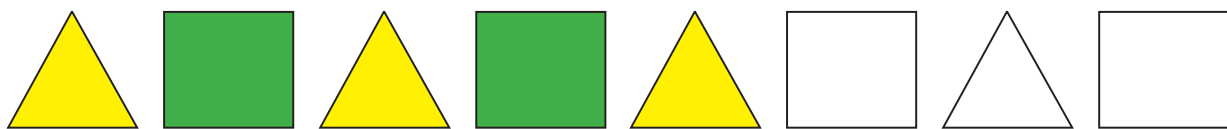
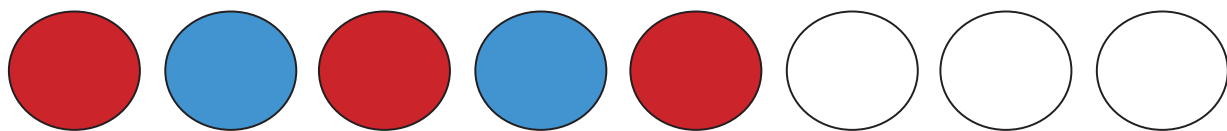


कौन-सा रंग गुलाबी रंग के बाद आएगा और क्यों?

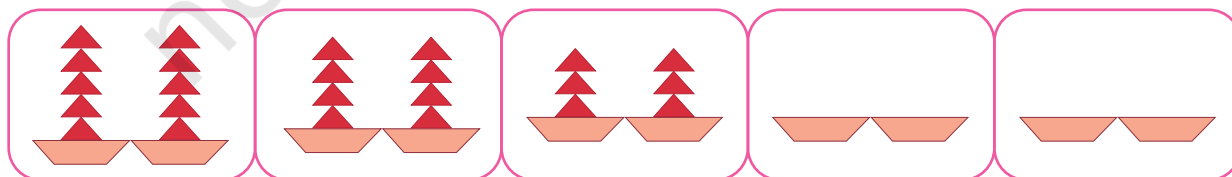
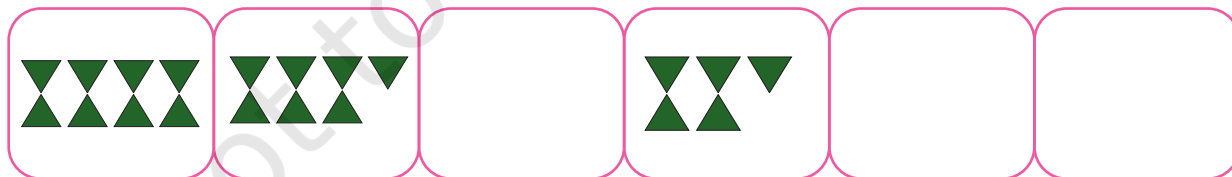
बच्चों को अलग-अलग तरह की कुछ सब्जियाँ इकट्ठी करने एवं बड़ों की सहायता से उन्हें छोटे टुकड़ों में काटने के लिए कहें। इन सब्जियों के टुकड़ों से उन्हें उनके पसंद के कुछ पैटर्न बनाने के लिए प्रोत्साहित करें।



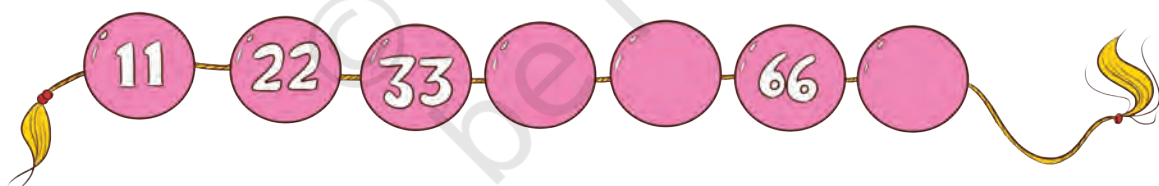
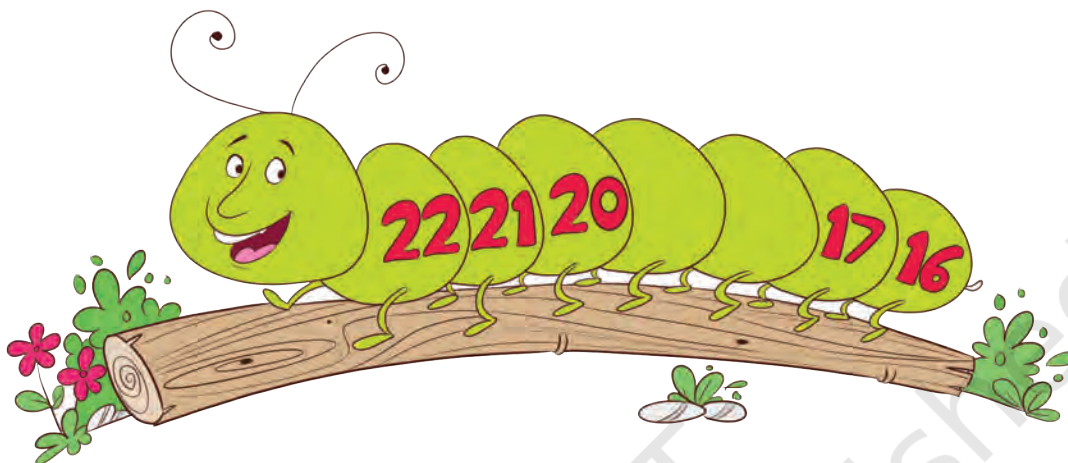
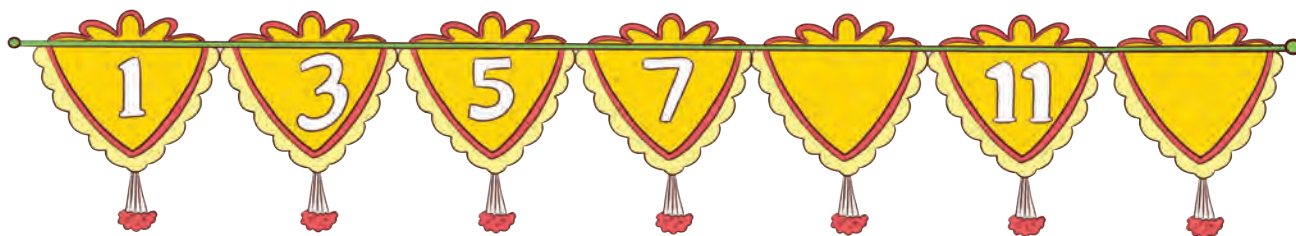
पैटर्न को समझिए और रंग भरकर इन्हें आगे बढ़ाइए।



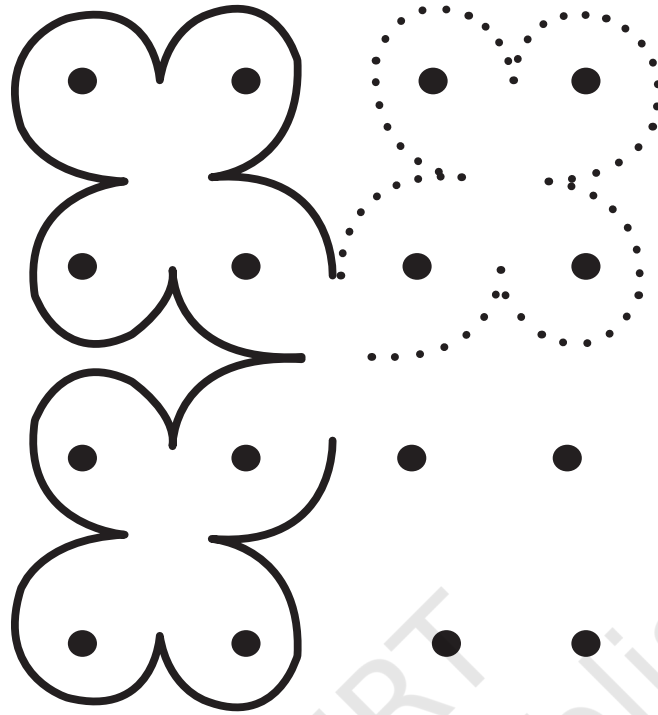
छूटे हुए हिस्सों को बनाकर पैटर्न पूरा कीजिए।



पैटर्न को समझिए और छूटी हुई संख्याएँ लिखिए।



मूर्ति और वाणी 'कोलम' बनाने में अपनी अम्मा की सहायता कर रहे हैं। आप भी 'कोलम' पूरा करने में उनकी सहायता कीजिए।



परियोजना कार्य

- क. कुछ कंकड़, फूल, पत्तियाँ, गिलास, कटोरियाँ, तीलियाँ, चूड़ियाँ, सिक्के, बोतल के ढक्कन इत्यादि इकट्ठे कीजिए एवं उनसे कुछ पैटर्न बनाइए। अपनी पसंद के आभूषणों, फूलों आदि में पैटर्न देखकर बनाइए।
- ख. अपने आस-पास में कुछ प्राकृतिक पैटर्नों, जैसे— पत्तियों, तितलियों, जानवरों की त्वचा, बिल्ली, कुत्ता, जेब्रा, चीता एवं परदों, साड़ियों, दुपट्टा, टाइल्स, मधुमक्खी के छत्ते इत्यादि में पैटर्न ढूँढ़िए और अवलोकन कीजिए।
- ग. अपने आस-पास की कुछ वस्तुओं को इकट्ठा कीजिए एवं एक कोलाज बनाइए।
- घ. क्या आप अलग-अलग क्रियाओं का उपयोग करके पैटर्न बना सकते हैं, जैसे— ताली बजाना, चुटकी बजाना।

हमारे चारों ओर आकार ही आकार हैं। मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर, गुरुद्वारे, ऐतिहासिक इमारतों में बने पैटर्नों की खोजबीन करके बच्चों को भारतीय सांस्कृतिक विरासत की सराहना करने के लिए प्रेरित करें।

